श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. वालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 24 * अंक : 7 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 1 जुलाई 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

योगिराजश्री की 22 वीं पुण्य तिथि मनाई समाधि मन्दिर पर 16 वीं ध्वजारोहण सम्पन्न

उदयपुर, (स. सं),

श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में परम पूज्य योगीराज, कृपासिन्धु, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. की 22 वीं पुण्य तिथि एवं समाधि मन्दिर पर 16 वीं ध्वजारोहण सानन्द सम्पन्न हुई।

प्रातः 9.30 बजे ध्वजा लाभार्थी श्रा. गेबाजी धरमाजी डामराणी परिवार के सदस्य गाजे-बाजे के साथ समाधि मन्दिर पहुँचे। योगीराजश्री की अष्टप्रकारी पूजा करने के पश्चात् तीन प्रदक्षिणा देकर ध्वजा लेकर शिखर पर पहुँचे वहाँ पर भी प्रक्षाल-पूजा-अर्चना करने के पश्चात् ॐ पुण्याहं-ॐ पुण्याहं मन्त्रोच्चारपूर्वक ध्वजारोहण विधि सम्पन्न हुई।

वासक्षेप करते मुनिराजश्री

ध्वजारोहण करते डामराणी परिवार

प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं योगीराज, कृपासिन्धु गुरुदेव, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. के सुशिष्यरत्न प्रवचनकार, सूरिमन्त्राराधक, संघशिल्पी, भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के सुशिष्यरत्न मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा., मुनिश्री अमृतरत्नविजयजी म. सा., मुनिश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की शुभनिश्रा में श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट) एवं श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ) के तत्त्वावधान में एक परम गुरुभक्त की ओर से यह आयोजन सम्पन्न हुआ।

प्रवचन मुद्रा में श्री आनन्दविजयजी

गुणानुवाद सभा में श्रमण-श्रमणिवृन्द व गुरुभक्त

प्रातः 10 बजे गुरुदेवश्री शान्तिविजयजी म. सा. के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर गुरु गुणानुवाद सभा प्रारम्भ की गई। सर्वप्रथम संगीतकार महावीर मरड़िया ने गुरु भक्ति वन्दना प्रस्तुत की। मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने उपकारी गुरुदेवश्री के गुणानुवाद करते हुए कहा कि- योगीराजश्री ज्ञान-ध्यान-तप एवं अनुष्ठानों में सदैव संलग्न रहते थे। रत्न एवं विविध प्रकार के पाषाणों जाति-प्रजाति एवं गुणधर्मों के कुशल पारखी थे। रसायन सिद्धि एवं विविध कल्पों के बारे में अनुभव सिद्ध ज्ञाता थे। गुरुदेव मन्त्र-तन्त्र-यन्त्र के गहन साधक रहे। अरिहन्त पद के परम उपासक एवं सतत जाप करते थे। 23 वर्षीय दुग्धाहार तपस्वी रहे। मानसून (वर्षाऋतु) की सचोट भविष्यवाणी को देखते हुए पीताम्बर विजेता, व्याख्यान-वाचस्पति गुरुदेव श्रीमद्विजय यतीन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. ने 'वायुशास्त्री' पद से अलंकृत किया था। परन्तु निस्पृही-सरलता की प्रतिमूर्त्ति-सौम्यस्वभावी ऐसे महान् तपस्वी योगीराज, वचनसिद्ध गुरुवर की 22 वीं पुण्य तिथि पर सादर श्रद्धा-पुष्प समर्पित करते हुए 13-13 नवकार गिनकर श्रद्धांजलि समर्पित की।

गुरु आरती का लाभ श्रा. खुशालचन्दजी गेबाजी डामराणी परिवार मेंगलवा (राज.) ने लिया। दोपहर को गुरु शान्तिविजय अष्टप्रकारी पूजा संगीत की स्वर लहरियों के साथ पढ़ाई गई।

इस प्रसंग पर श्री भाण्डवपुर तीर्थ के निकटवर्ती ग्राम-नगरों के अतिरिक्त देश के अनेक स्थानों से गुरुभक्त पधारे।

ध्वजारोहण के पश्चात् आरती करते डामराणी परिवार

बागरा में ध्वजारोहण

बागरा जिला- जालोर (राज.) में श्री आदिनाथ हेमेन्द्रसूरि जैन स्मृति मन्दिर पर 19 जून 2018 को धूमधाम एवं हर्षोल्लास से ध्वजा चढ़ाई गई।

प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर सूरिमन्त्राराधक, शासन प्रभावक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के सुशिष्य मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. की शुभनिश्रा में श्री आदिनाथ हेमेन्द्रसूरि स्मृति मन्दिर निर्माता एवं संचालक- श्रा. मोहनलालजी शंकरलालजी अम्बा गौत्र त्राणी पोरवाल परिवार के द्वारा ध्वजारोहण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। 18 जून 2018 को स्मृति मन्दिर में अठारह अभिषेक किए गए। विरलभाई विधिकारक ने संगीत के साथ मन्त्रोच्चार करते हुए सभी को तल्लीन कर दिया। 10 जून 2018 को प्रातः लाभार्थी के घर से ध्वजा को बाजे-गाजे के साथ लेकर नृत्य करते हुए हर्षोल्लासपूर्वक नगर के मध्य स्थित श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ जिनालय में दर्शन-वन्दन कर स्मृति मन्दिर पहुँचे, जहाँ पर विधि-विधानपूर्वक मन्दिर निर्माता एवं प्रतिष्ठापक परिवार के सदस्यों ने ध्वजारोहण किया। पश्चात् मुनिश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. ने जैन धर्मशाला में प्रवचन प्रदान किया।

मुनिश्री एवं ध्वजारोहण लाभार्थी परिवार

अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर महातीर्थ

पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं
योगिराज संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. के विनीत सुशिष्य
भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.
आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द

भव्य वर्षावास मंगल प्रवेश

दिनांक 18-7-2018 को प्रातः 8 बजे
आप सभी सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं।

सम्यग्ज्ञान अभिवृद्धि योजना सूत्र स्मरण कार्यशाला सम्पन्न

उदयपुर (स. सं.)

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् द्वारा संचालित श्री यतीन्द्र ज्ञान पीठ के अन्तर्गत चल रही प्रायोगिक तौर पर मध्यप्रदेश की धार्मिक पाठशाला हेतु श्री सम्यग्ज्ञान अभिवृद्धि योजना में सूत्र स्मरण प्रोत्साहन कूपन योजना का समापन श्री जयन्तसेन म्यूझियम परिसर, श्री मोहनखेड़ा तीर्थ पर किया गया।

पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की दिव्य प्रेरणा एवं सुविशाल गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आशीर्वाद से अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन परिषद् द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के विभिन्न नगरों से जैन धार्मिक पाठशाला संचालक एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं को बुलाया गया, जिन्हें जैन सूत्र कण्ठस्थ अभिवृद्धि योजना के बारे में विस्तार से बताया गया कि यदि पाठशाला का विद्यार्थी आज के पश्चात् नये सिरे से एक सूत्र याद करता है तो उसको एक कूपन प्रदान किया जायेगा, वर्ष के अन्त में सभी कूपनों को एकत्रित कर प्रोत्साहन स्वरूप इनाम लाभार्थी परिवार द्वारा दिया जाएगा। साथ ही धार्मिक पाठशाला को किस प्रकार से नई ऊँचाई प्राप्त हो और पढ़ने वालों की संख्या में वृद्धि किस प्रयास से हो बताया गया।

इस कार्यक्रम के लाभ पूज्या मातुश्री विजयाबेन की स्मृति में बच्चुभाई चिमनलाल धरू परिवार पेपराल-थराद वालों (परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेशभाई धरू) ने लिया। श्री रमेशभाई धरू पिछले 3-4 वर्षों से प्रोत्साहन पुरस्कारों का सम्पूर्ण लाभ व पुनः सूत्र कण्ठस्थ योजना के अन्तर्गत पूरे वर्ष भर मध्यप्रदेश की पाठशालाओं में बालकों को प्रोत्साहन प्रदान कर ज्ञान दान यज्ञ में अनुपम लाभ ले रहे है। श्रीसंघ एवं परिषद् पदाधिकारियों ने उनके कार्य की अनुमोदना करते हुए बधाई अर्पित की।

इस अवसर पर परिषद् के राष्ट्रीय पदाधिकारी, मध्यप्रदेश प्रान्तीय पदाधिकारी एवं गणमान्य उपस्थित थे।

मुनिराजश्री की निश्रा में शिलान्यास

उदयपुर (स. सं.)

पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की दिव्य प्रेरणा एवं गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के सुशिष्यरत्न मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा., मुनिश्री अमृतरत्नविजयजी म. सा. की पावन निश्रा में साँचोर नगर में श्री राजेन्द्रसूरि जैन गुरु मन्दिर का शिलान्यास विधिपूर्वक सम्पन्न हुआ।

श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट) ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 28 जून 2018 को साँचोर नगर में मुनिराजश्री का भव्य नगर प्रवेश श्री कुन्थुनाथ जैन मन्दिर से सामैया के साथ करवाया। दिनांक 29 जून 2018 को मुनिराजश्री की पावन निश्रा में विधिकारक द्वारा विधिपूर्वक लाभार्थी परिवार रा. चन्दाजी अमीचन्दजी कटारिया संघवी द्वारा शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर नगर के गणमान्य, श्रीसंघ पदाधिकारी एवं अनेक गुरुभक्त उपस्थित थे।

भीषण गर्मी में छाछ वितरण

उदयपुर (स. सं.)

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के दिव्याशीष एवं पट्टधरद्वय के शुभाशीष से अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन तरुण परिषद् अहमदाबाद के कार्यकर्ताओं ने भीषण गर्मी में राहगीरों को राहत एवं प्यास मिटाने हेतु छाछ का वितरण किया। निःशुल्क छाछ वितरण का लाभ संघवी बबीबेन कालीदास वीरचन्दभाई परिवार थराद वालों ने लिया। सभी ने इस कार्य की अनुमोदना करते हुए परिषद् को बधाई दी।

प्रताप एवं भामाशाह जयन्ती मनाई

उदयपुर (स. सं.)

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप की 478 वीं एवं जैनकुलरत्न दानवीर भामाशाह की 470 वीं जयन्ती पर अ. भा. साहित्य संगम द्वारा विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। वीर शिरोमणि प्रताप एवं भामाशाह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने अविस्मरणीय संस्मरण सुनाते हुए अपने शब्द-सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर राजेन्द्र बाबेल, गोपाल सोनी 'सुखदर्शी', राकेश सकलेचा, पुष्पा बाबेल, कल्पना डाँगी, सुनिता नलखेड़ा, इन्दुबाला जैन, कपिल बाबेल, नवलकुमार सोनी, प्रज्ञा जैन, अंशुल जैन आदि ने प्रताप की वीरता एवं भामाशाह के त्याग की महिमा का सुन्दर शब्दों में वर्णन किया। संस्था सचिव कुलदीप 'प्रियदर्शी' ने काव्यपाठ कर दोनों महापुरुषों को काव्यांजलि अर्पित करते हुए पधारे हुए सभी वक्ताओं एवं सुधी श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

साध्वीजी की निश्रा में ध्वजारोहण

उदयपुर (स. सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर वर्तमान गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं सूरिमन्त्राराधक, स्पष्टवक्ता, माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री सूर्योदयाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-3 की निश्रा में श्री नमिनाथ भगवान मन्दिर कराड़ (महाराष्ट्र) में 13 वीं वार्षिक ध्वजारोहण समारोह विविध धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सानन्द सम्पन्न हुआ।

प्रातः साध्वीजी भगवन्त की पावन निश्रा में गुरुभक्तों ने संगीत की स्वर लहरियों के साथ विधिपूर्वक लाभार्थी परिवार द्वारा नूतन ध्वजा चढ़ाई गई। इस अवसर पर साध्वीजी भगवन्त ने कहा कि ध्वजारोहण करने और चढ़ती हुई ध्वजा के दर्शन करने मात्र से अनन्तगुणा पुण्य का उपार्जन होता है।

पूज्या साध्वीश्री का इस वर्ष का चातुर्मास बीजापुर (कर्नाटक) में होगा। चातुर्मासिक मंगल-प्रवेश 15 जुलाई 2018 को होगा।

वीर वचन का वैभव प्रवहमान

उदयपुर (स. सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर वर्तमान गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं सूरिमन्त्राराधक, स्पष्टवक्ता, माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती श्रुत प्रभावक मुनिराजश्री वैभवरत्नविजयजी म. सा. द्वारा पार्ला (मुम्बई) में तीन दिवसीय विषयान्तर्गत प्रदत्त आध्यात्मिक हाईट्स पर ले जाने वाले प्रभावशाली प्रवचनों की वैतरणी प्रवहमान की गई।

श्री चन्द्रप्रभस्वामी जैन मन्दिर, महासुख भवन, पार्ला (वेस्ट) मुम्बई के प्रवचन समागार में आयोजित प्रवचन शृंखला में दिनांक 16-6-2018 को 'चैतन्य का शंखनाद', दिनांक 17-6-2018 को 'श्रद्धावन्त आराधना' एवं दिनांक 18-6-2018 को 'डिग्री लेवल' विषयों पर मुनिराजश्री ने अपनी क्रान्तिकारी शैली में प्रवचन प्रदान कर सभी को मन्त्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर मुम्बई के उपनगरों से अनेक श्रीसंघ एवं गुरुभक्तों ने उपस्थित होकर मुनिराजश्री की वाणी का रसास्वादन किया।

पू. मुनिराजश्री वैभवरत्नविजयजी म. सा. का इस वर्ष का चातुर्मास भारत नगर-मुम्बई सेन्ट्रल में होगा। चातुर्मासिक मंगल-प्रवेश 14 जुलाई 2018 को होगा।

पूना से मोहनखेड़ा तीर्थ यात्रा सम्पन्न

उदयपुर (स. सं.)

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद्, पूना के सहयोग से 160 यात्रियों के साथ श्री मोहनखेड़ा तीर्थ आदि यात्रार्थ हेतु दो दिवसीय यात्रा दिनांक 16-17 जून 2018 को आयोजित की गई।

श्री अनिल रणावत ने जानकारी देते हुए बताया कि इस यात्रा में विशेष रूप से 250 सामायिक करने वाली 70 महिलाओं को पूना श्रीसंघ व परिषद् परिवार की ओर से निःशुल्क यात्रा कराई जा रही है। सभी यात्रियों ने श्री मोहनखेड़ा तीर्थ तथा श्री जयन्तसेन म्यूझियम में प्रभु-गुरु दर्शन-वन्दन-पूजन किया।

इस दो दिवसीय यात्रा में सभी यात्रियों को श्री अवन्तिका पार्श्वनाथ-उज्जैन, हसनपुरा, भक्तामर तीर्थ-धार, अभिझरा पार्श्वनाथ, भोपावर आदि तीर्थों की यात्रा करवाई गई।

जिनालय की 15वीं वर्षगाँठ मनाई

उदयपुर (स. सं.)

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री वीररत्नविजयजी म. सा. एवं मुनिश्री जिनागमरत्न-विजयजी म. सा. की पावन निश्रा में श्री अवनीश जैन संघ जिनालय की 15 वीं वर्षगाँठ अनेक धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाई गई।

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के करकमलों से प्रतिष्ठित जिनालय में प्रातः 7 बजे प्रभातिया, 7.30 बजे मुनिराजश्री का मंगल प्रवेश किया गया। 8.30 बजे श्री सत्तरभेदी पूजा, अठारह अभिषेक पूजन किया गया जिसका लाभ सेठ सुन्दरबेन हरिलाल दलसुखभाई परिवार ने लिया। शुभ मुहूर्त्त में ध्वजा के लाभार्थी परिवार ने विधि सहित नूतन ध्वजा चढ़ाई। इस प्रसंग पर आयोजित नवकारसी का लाभ संघवी जबीबेन शान्तिलाल कानजीभाई परिवार ने लिया तथा मण्डप आदि सजावट का लाभ मोरखिया चंचीबेन छोटालाल कालीदास परिवार ने लिया।

साधु-साध्वी भगवन्तों का विहार व चातुर्मासिक प्रवेश होगा

उदयपुर (स. सं.)

पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की के पट्टधरद्वय सुविशाल गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती श्रमण-श्रमणिवृन्द विहानुक्रम में अनेक नगरों, ग्रामों में विचरण कर धर्म प्रभावना करते हुए 2018 के वर्षावास हेतु निश्चित स्थान पर पहुँचने हेतु विहार कर रहे है।

मार्ग में निश्चित स्थानों के श्रीसंघ पदाधिकारी उनके वैयावच्च की व्यवस्था करते हुए गुरुभक्तों के साथ पलक पाँवड़े बिछाकर उनके स्वागत-अभिनन्दन एवं मंगल-प्रवेश की राह देख रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार निम्न स्थानों पर चातुर्मासिक प्रवेश होंगे।

उज्जैन-

पुण्य-सम्राट के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा का मंगल-प्रवेश उज्जैन (म. प्र.) में दिनांक 21 जुलाई 2018 को होगा।

श्री माण्डवपुर तीर्थ-

पुण्य-सम्राट के पट्टधर सूरिमन्त्राराधक, माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्य भगवन्त श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा का मंगल-प्रवेश श्री माण्डवपुर (राज.) में दिनांक 18 जुलाई 2018 को होगा।

पाटण-

मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. का 24 जून 2018 को पाटण नगर में पदार्पण हुआ। मुनिराजश्री के पदार्पण पर पाटण नगर में अध्ययन हेतु बिराजमान मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा ने मुनिराजश्री के सामने से पधार कर वन्दना की। मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा., श्री निपुणरत्नविजयजी म. सा., श्री प्रत्यक्षरत्नविजयजी म. सा., पवित्ररत्नविजयजी म. सा., श्री निक्षेपरत्नविजयजी म. सा. एवं श्री नेमीशरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा-6 का मंगल-प्रवेश पाटण (गुजरात) में अध्ययनार्थ पंचासरा पार्श्वनाथ जैन मन्दिर के पीछे श्री राजेन्द्रसूरि ज्ञान मन्दिर में होगा।

मेघनगर-

मातृहृदया साध्वीश्री कोमललताश्रीजी म. सा. की सुशिष्या साध्वीश्री अनेकान्तलताश्रीजी म. सा. का मंगल-प्रवेश मेघनगर (म. प्र.) में दिनांक 18 जुलाई 2018 को होगा।

अलीराजपुर-

साध्वीश्री शासनलताश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-14 का मंगल-प्रवेश अलीराजपुर (म. प्र.) में होगा।

महिदपुर रोड़-

मालवामणि साध्वीश्री स्वयंप्रभाश्रीजी म. सा. की सुशिष्या साध्वीश्री कल्पलताश्रीजी म. सा. की सुशिष्या साध्वीश्री विद्वद्गुणाश्रीजी म. सा. एवं साध्वीश्री रश्मिप्रभाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-2 का मंगल-प्रवेश महिदपुर रोड़ (म. प्र.) में दिनांक 18 जुलाई 2018 को होगा।

जोधपुर-

साध्वीश्री दर्शनकलाश्रीजी म. सा. व साध्वीश्री जीवनकलाश्रीजी म. सा. का मंगल-प्रवेश जोधपुर (राज.) में दिनांक 15 जुलाई 2018 को होगा। साध्वीश्री जीरावला से जोधपुर की ओर विहार में हैं।

नीमच-

साध्वीश्री पुण्यदर्शनाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-3 का मंगल-प्रवेश नीमच नगर (म. प्र.) में दिनांक 15 जुलाई 2018 को होगा। साध्वीश्री रतलाम से नीमच की ओर विहार में हैं।

माटपचलाना-

साध्वीश्री भाग्यकलाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री युगप्रियाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री यशप्रियाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-3 का मंगल-प्रवेश माटपचलाना (म. प्र.) में दिनांक 18 जुलाई 2018 को होगा। अभी बड़नगर में बिराजमान हैं।

अलवर-

साध्वीश्री डॉ. प्रियदर्शनाश्रीजी म. सा. व साध्वीश्री डॉ. सुदर्शनाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा का मंगल-प्रवेश अलवर (राज.) में दिनांक 18 जुलाई 2018 को प्रातः 7.30 बजे होगा।

पट्टधरद्वय का डीसा में भव्य मंगल प्रवेश

पिपलोदा जैन मन्दिर ट्रस्ट का गठन

उदयपुर (स. सं.)

श्री आदिनाथ श्वेताम्बर जैन मन्दिर ट्रस्ट, पिपलोदा (म. प्र.) का नवीन गठन हुआ, जिसमें सर्वानुमति से अध्यक्ष-श्री बाबूलाल धींग, उपाध्यक्ष-श्री नरेन्द्र बोहरा, कोषाध्यक्ष- श्री राजेन्द्र कोठारी, सचिव- श्री रमेशचन्द्र बाबेल व प्रचारमन्त्री- श्री संजय सुराणा को मनोनित किया गया।

कार्यकारिणी में श्री रमेशचन्द्र धींग, कैलाशचन्द्र नांदेचा, अजीत बोहरा, दिनेश चन्द्रावत, सुरेश बोहरा, संजय बरमेचा को लिया गया।

श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ धाम के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र कटारिया, कोषाध्यक्ष श्री राकेश जैन, सचिव- श्री धीरज रूणवाल, नवयुवक परिषद् अध्यक्ष- श्री अशोक बोहरा, वाटिका ट्रस्टी- श्री मुकेश रॉयल, अमन रूणवाल, सौरभ चन्द्रावत, तरूण परिषद् अध्यक्ष- हर्ष कटारिया आदि ने नवीन पदाधिकारियों का स्वागत किया तथा पूर्व अध्यक्ष श्री रमेशचन्द्र धींग को साफा बान्ध व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

नवीन अध्यक्ष श्री बाबूलाल धींग ने इस अवसर पर कहा कि मैं समाज हित में होने वाले सभी कार्यों को निष्ठा व ईमानदारी से पूर्ण कर समाज को धर्म के प्रति जोड़ने का भरसक प्रयत्न करूँगा साथ ही जैन पाठशाला के उत्थान हेतु प्रयास किया जायेगा व नई योजनाएँ बनाकर मन्दिर एवं दादावाड़ी का विकास ट्रस्ट की प्रथम प्राथमिकता होगी।

कार्यक्रम का संचालन श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ धाम प्रचार सचिव प्रफुल्ल जैन ने किया एवं सभी आगन्तुक अतिथियों व गणमान्यों का आभार वाटिका उपाध्यक्ष शिखर बोहरा ने ज्ञापित किया।

धार में संस्कारों की EXHIBITION

उदयपुर (स. सं.)

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन बालिका परिषद्, धार (म. प्र.) प्रति माह नये-नये प्रकल्पों के साथ धार्मिक, सामाजिक एवं जनकल्याण के कार्य क्रियान्वित कर अनुपम उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। जो अनुकरणीय व अनुमोदनीय है।

इन्हीं नवीन कार्यक्रमों में बालिका परिषद् द्वारा एक नया कार्यक्रम दिनांक 1 जुलाई 2018 को प्रस्तुत करने जा रही है इस कार्यक्रम का शीर्षक रखा है 'संस्कारों की EXHIBITION।' इस कार्यक्रम के द्वारा सभी को दिशा निर्देशित करने का प्रयास किया जायेगा कि जीवन में संस्कार वह भी सुसंस्कार कैसे व किस प्रकार दिये जा सकते हैं बताया जायेगा।

नोट- लोकप्रिय 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक के ग्राहकों से निवेदन है कि आपका पता अगर बदल गया है तो अपना नवीन पता प्रधान कार्यालय पर भेजने की कृपा करावें, जिससे आपको अंक प्राप्त हो सके। -सम्पादक

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।

कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991

e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

आचार्यद्वय का डीसा में भव्य प्रवेश

उदयपुर (स. सं.)

परम पूज्य पुण्य-सम्राट गुरुदेव के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा का डीसा नगर में 21 जून 2018 को भव्य मंगल प्रवेश हुआ। श्रीसंघ ने बाजे-गाजे के साथ धूमधाम से नृत्य करते हुए प्रवेश करवाया।

चर्चा कर आशीर्वाद प्राप्त करते

प्रवेश अवसर पर अनेक श्रीसंघों के गुरुभक्त उपस्थित थे। यहाँ महावीर धाम में आचार्यद्वय से मुम्बई से पधारे श्री जे. के. संघवी एवं पारसजी आदि ने श्रीसंघ व परिषद् सम्बन्धित विषयों पर सारगर्भित चर्चा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्यद्वय ने आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

पुण्य-सम्राट एवं तप-सम्राट के सुशिष्यरत्न श्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. एवं आचार्यदेवश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. विहारानुक्रम में श्री मणिभद्रवीर, मगरवाड़ा तीर्थ पधारे। जहाँ तीर्थ में श्री मणिभद्रवीर दादा के दर्शन-वन्दन कर तीर्थ के गादीपति यतिवर्य श्री विजयसोमजी के साथ स्नेहिल मिलन हुआ।

श्री मणिभद्रवीर दादा का आशीर्वाद लेते आचार्यद्वय

आचार्यद्वय एवं तीर्थ के गादीपति की स्नेहिल मुलाकात

मुनिराजश्री की एन्जयोप्लासटी

उदयपुर (स. सं.)

पुण्य-सम्राट गुरुदेव के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के वरिष्ठ शिष्य मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा. का अकस्मात् स्वास्थ्य बिगड़ जाने पर उन्हें दिनांक 25 जून 2018 को एपेक्स हार्टसर्जरी इन्स्टीट्यूट, अहमदाबाद में लाया गया।

इन्स्टीट्यूट के वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. तेजस पटेल द्वारा उपचार के दौरान एन्जियोप्लास्टी किया गया तथा 1 स्टेण्ड डाला गया। उपचार के मध्य स्वयं आचार्यश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. शिष्य के निकट बिराजित रहे।

वहाँ वर्तमान में भी गुरु-शिष्य के प्रेम का साक्षात दिग्दर्शन हो रहा था। दादा गुरुदेव की असीम कृपा से मुनिराजश्री का स्वास्थ्य उत्तरोत्तर सुधार पर है। जैसे ही यह समाचार मिला तो देश के अनेक नगरों, ग्रामों में श्रावक-श्राविकाओं ने मुनिराजश्री के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु नवकार मन्त्र का जाप चालू कर दिया। सद्गुरुओं के शुभाशीर्वाद, सभी की दुआ एवं चिकित्सकों की योग्य चिकित्सा से मुनिराजश्री अशोकतिजयजी म. सा. स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

यतीन्द्र वाणी परिवार मुनिराजश्री की सुखपृच्छा पूछते हुए कामना करता है कि मुनिराजश्री शीघ्र स्वस्थ हो एवं जिनशासन प्रभावना के कार्यों में अपनी सेवाएँ प्रदान करें।

आचार्यदेवश्री शिष्य की सेवा-सुश्रूषा करते हुए धन्य हैं गुरुदेव जिन्हें श्रेष्ठ सद्संस्कार मिले अनुमोदना

योगी-वाणी

जीवन का शाश्वत सत्य है कि कर्म एक ऐसी भोजनशाला है जहाँ आदेश से कुछ नहीं प्राप्त होता है, बल्कि हमें वहीं प्राप्त होता है जो हमने वहाँ पकाया है।

जीवन को सफल करने हेतु सत्कर्म करके पुण्यार्जन कर लीजिए। यह भव और परभव दोनों सुधर जाएँगे।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवार्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डोंगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना- प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है। चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजें।

* लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। * सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित